विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 6 अक्टूबर ~~2020~~

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

दशमः पाठः

काकस्य चातुर्यम्

काकः अवदत् – "धिक् तं दुष्टं सर्पम्"

कौवा बोला –" उस दुष्ट सांप को धिक्कार है"

काकी अवदत् – "अलं शोकेन। इदानीं सर्पस्य विनाशस्य उपायं चिन्तयावः।"

कौवा की पत्नी बोली- शोक् करना व्यर्थ है। इस सांप के विनाश के बारे में विचार कीजिए।

तदैव तत्र एकः नृपः नधां स्नातुम् आगच्छति स्म।

उसी समय एक राजा नदी में स्नान करने के लिए आता है

तस्य पृष्ठतः सैनिकाः आसन्।

उसके पीछे पीछे सैनिक थे।

सः स्वकीयं बहुमूल्यं रत्नजडितं स्वर्णहारं वस्त्रणाम् उपरि स्थापदति स्म।

वह शरीर में रत्न आभूष।ण स्वर्ण के माला और वस्त्र धारण किए हुए थे।

सैनिकाः रक्षन्ति स्म।

सैनिक लोग रक्षा कर रहे थे।

वृक्षस्य उपरि स्थतः काकः अवदत् – “अहम् उपायम् अचिन्तयत्”।

वृक्षों के ऊपर बैठा हुआ कौवा बोला- मैं इसका उपाय सोचता हूं ।

काकस्य भार्या काकम् अपृच्छत् “कः उपायः अस्ति?” काकः अवदत् – “त्वं केवलं पश्य।”

कौवा की पत्नी? कौवा से पूछा “कौन- सा उपाय है” कौवा बोला-तुम केवल देखो ।